

अप्रत्याशित, पर भला

वह दो बार जन्मा — एक बार कलाब्रिया में भूल से, दूसरी बार अमेरिका में नियति से — और इन दोनों केबीच उसने वह सब कुछ बनाया जो दोनों का हकदार बनने के लिए ज़रूरी था। फिर उसने तथ्यों को बोलने दिया, उसी क्रम में जिसमें वे आए — बिना टिप्पणी, बिना विश्लेषण, बिना ऐसे विशेषणों के जो पहले से इशारों में मौजूद न हों।

एक पिता उससे आगे, चालीस साल की सड़क पहले ही तय की हुई। एक भुलक्कड़ सारस। ग्यारह साल की उम्र, एक समुद्र तट, और बिना अंडरवियर वाली एक स्त्री। जिलेट, विश्वविद्यालय की तरह, परिवार की तरह, युद्ध की तरह। एक पत्नी जो केवल वही जानती है जो उसने उसे जानने देना चुना। तीन बच्चे — वही तीन जो हमेशा लौटता है। रोज़ारियो, जो एक दिन उस पर आरोप लगाता है, और वह उसी तरह विदा लेता है। अस्सी किताबें, बिना किसी से अनुमति माँगे लिखी गईं। एक पिता जो अप्रैल 2025 में गुज़र जाता है और उसे धकेलना कभी नहीं छोड़ता। एक नेपोलिटन मुर्गी और पहले से उबले अंडों वाला एक तुर्क आदमी। और अंत में — उपसंहार के रूप में नहीं बल्कि गंतव्य के रूप में — एक अमेरिकी रात, अनंत विश्राम, और कोई ऐसा नहीं जो उसे भुला सके।

फिर भी उस सादी रेखा के पीछे एक बड़ी रचना है। कोई जीवनी नहीं — एक नैतिक मानचित्र। एक ऐसे व्यक्ति का प्रक्षेपवक्र जिसने अनुशासन को भाषा में, काम को पहचान में, स्मृति को वास्तुकला में बदल दिया। एक व्यक्ति जो प्रणालियों से गुज़रा — जिलेट, लोरियल, प्रॉक्टर — जैसे कोई महाद्वीपों से गुज़रता है: वही ब्लेड, वही आस्था लिए हुए।

उसका जीवन घटनाओं का क्रम नहीं है। यह चरित्र की ज्यामिति है: कर्तव्य और स्वतंत्रता, पिता और पुत्र, ब्लेड और कोमलता। उसने एक कथात्मक ब्रह्मांड रचा जहाँ हर किताब डीएनए का एक टुकड़ा है, हर शब्द एक संकेत है, हर इशारा एक हस्ताक्षर है।

और अगर कोई पूछे कि वह सच में कौन था, तो जवाब सीधा होगा: एक ऐसा इंसान जो अप्रत्याशित होना जानता था, पर भला।

जैसा उसके पिता ने कहा था। वही शब्द जो मायने रखते हैं।

नान्दी

Ferdinando Frega — gillettenarrative.com